इलैक्ट्रिक बस मैन्युफैक्चरर्स ने मुख्यमंत्री से मिलकर आभार जताया

घिलोठ में बेहद कम समय में आवंटित भूमि पर शुरु में 1200 करोड़ का निवेश होगा

जयपुर 22 अक्टूबर। मुख्यमंत्री निवास पर पीएमआई इलेक्ट्रो मोबिलिटी सोल्यूशन्स के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताने के लिए उनसे मिलने वालों में कंपनी के प्रबंध निदेशक सतीश कुमार जैन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. आँचल जैन, कार्यकारी निदेशक गजेन्द्र यादव, निदेशक दीपांशु द्विवेदी तथा प्लांट हैड हरीश यादव शामिल थे।**

पीएमआई इलेक्ट्रो मोबिलिटी सोल्यूशन्स के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर उनका आभार व्यक्त किया।

इलेक्ट्रिक बस मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट के लिए बेहद कम समय में त्वरित गति से भूमि आवंटन के लिए उनका आभार जताया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि कोटपूतली-बहरोड़ जिले में जल्द ही प्रदेश का पहला ई-बस मेन्यूफैक्चरिंग प्लांट स्थापित होगा। इसके लिए राज्य सरकार ने नीमराणा तहसील के घिलोठ औद्योगिक क्षेत्र में इलेक्ट्रिक बस मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट के लिए 2 लाख 65 हजार 329 वर्गमीटर (65.56 एकड.) भूमि का आवंटन किया है।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में हुए एमओयू के तहत निजी क्षेत्र की कंपनी पीएमआई इलेक्ट्रो मोबिलिटी सोल्यूशन्स प्रा. लिमिटेड को रीको के माध्यम से यह भूमि आवंटित की गई है। इस प्लांट में शुरूआत में लगभग 1200 करोड़ रूपये का निवेश किया जाएगा और ई-बसों के अतिरिक्त यहां बस बॉडी, मोटर, बैटरी, वायर हार्नेस तथा अन्य स्पेयर पार्ट्स का भी निर्माण होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्लांट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "मेक इन इण्डिया" संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इससे राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी और इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण क्षेत्र में राजस्थान देश का महत्वपूर्ण केन्द्र बनकर उभरेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान के युवाओं को इलेक्ट्रो मोबिलिटी के क्षेत्र में प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा उनके लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के भरपूर अवसर सृजित होंगे। ई-बसों के संचालन से राज्य में ग्रीन एनर्जी और हरित परिवहन को बढ़ावा मिलने के साथ ही, शहरी परिवहन सेवा भी सुगम होगी। इस अवसर पर कंपनी के प्रबंध निदेशक सतीश कुमार जैन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. आंचल जैन, कार्यकारी निदेशक गजेन्द्र यादव, निदेशक दीपांशु द्विवेदी, प्लांट हैड हरीश यादव उपस्थित थे।

बिलाड़ा में 3 साल की बच्ची के साथ बलात्कार

घर के बाहर खेल रही बच्ची को कुरकुरे दिलाने के बहाने बाइक पर सुनसान जगह ले गया

जोधपुर, 22 अक्टूबर (कासं)। बिलाड़ा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह 3 साल की बच्ची के साथ बलात्कार की घटना सामने आई है। घर के बाहर खेल रही 3 साल की बच्ची को युवक कुरकुरे दिलाने के बहाने बाइक पर ले गया। सुनसान जगह पर उसने बच्ची के साथ रेप किया। फिर उसे घर के बाहर छोड़कर फरार हो गया। घटना बिलाड़ा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह करीब 8 बजे की है।

बच्ची के रोने की आवाज सुनकर परिवार के लोग घर से बाहर आए। मासूम की हालत देखकर चौंक गए। घरवाले तुरंत बच्ची को लेकर हॉस्पिटल पहुंचे, जहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने गंभीर हालत देखते

- **गंभीर हालत में बच्ची जोधपुर के अस्पताल में भर्ती। घटना के विरोध में कस्बे के बाज़ार बंद।**

हुए उसे जोधपुर रेफर कर दिया।

इधर, घटना के विरोध में लोगों ने कस्बे में बाजार बंद करवा दिया। लोगों का कहना है कि ऐसे दरिंदों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगे। परिजन और रिश्तेदार ने बिलाड़ा थाने पहुंचकर युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। बिलाड़ा डीएसपी पदमदान रतनू ने बताया कि घटना के संबंध में परिजनों से रिपोर्ट मिली है। इसके आधार पर बिलाड़ा थाने में पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

डीएसपी पदमदान रतनू ने बताया कि आरोपी युवक भरतपुर जिले का रहने वाला है। वह पाली जिले में काम करता था। आरोपी के बारे में पीड़ित परिवार और अन्य ग्रामीणों से जानकारी जुटाकर उसकी तलाश में अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं। पुलिस पूरी ताकत से आरोपी को पकड़ने के लिए प्रयासरत है।

लोकपाल कार्यालय द्वारा 7 लग्ज़री बीएमडब्ल्यू खरीदने पर विवाद बढ़ा

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर। भारत सरकार के लोकपाल कार्यालय की तरफ से सात (बीएमडब्ल्यू) लग्ज़री कारों की खरीद के लिए निविदा जारी करने पर कांग्रेस ने सवाल उठाये हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भ्रष्टाचार विरोधी प्राधिकरण अब एक शॉकपाल बन गया है। रमेश ने लोकपाल की कार्यवाही पर सवाल उठाये और लोकपाल द्वारा की गयी जांच और गिरफ्तारियों के बारे में भी सवाल पूछें।

उन्होंने कहा, लोकपाल अब लोकपाल नहीं रहा। यह शोकपाल और शॉकपाल हो गया है।

अन्ना हजारे, अरविंद केजरीवाल, इंडिया अगेंस्ट करप्शन और आरएसएस ने 2012 और 2013 में लोकपाल के महत्व पर जोर देते हुए खूब प्रचार किया था।

अब जरा लोकपाल के कार्यों पर ही नजर डालिए। लोकपाल ने कौन सी जांच शुरू की है? उन्होंने किन लोगों को गिरफ्तार किया है?

रमेश से पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम भी इन कारों के लिए निविदा जारी करने पर विरोध जता चुके हैं।

चिदंबरम ने कहा कि यहां तक कि उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों को भी साधारण सेडान कारें उपलब्ध करायी जाती हैं। साथ

- **कांग्रेस ने बीएमडब्ल्यू खरीद की निविदा पर सवाल उठाए और कहा, लोकपाल ने अब तक कौनसी जांच की है यह भी बताया जाए**
- **कांग्रेस नेता पी चिदम्बरम ने कहा, जब सुप्रीम कोर्ट के जज को साधारण सेडान कार दी जाती है तो लोकपाल को बीएमडब्ल्यू क्यों चाहिए।**

ही उन्होंने उम्मीद जतायी कि लोकपाल कार्यालय के कुछ सदस्य इन लक्जरी कारों का उपयोग करने से बचेंगे।

उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, जब सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को साधारण सेडान कारें मिलती हैं, तो लोकपाल के चेयरमैन और छह सदस्यों को बीएमडब्ल्यू कारों की आवश्यकता क्यों है? इन कारों को खरीदने के लिए जनता का पैसा क्यों खर्च किया जाए? .

विश्व के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से हीरे जड़े हैं, जिनमें पन्ना भी लगा है। संग्रहालय और विशेषज्ञ मानते हैं कि इन आभूषणों को फिर से प्राप्त करने की उम्मीदें लगभग नगण्य हैं।

आभूषण को तोड़कर कीमती धातुओं को पिघलाना है और रत्नों को निकाला जाना आसान है। यदि इन चुराए गए आभूषणों को बेचा जाता है, तो इन्हें पहचान पाना मुश्किल होगा।

आजकल के नवधनाढ्य भारत में कीमती रत्नों की दीवानगी बहुत ज्यादा है। ऐसे में अवैध रास्तों या भूमिगत चैनलों के माध्यम से देश में पहुँच सकते हैं, पूरी तरह से गुप्त रूप से। जयपुर, जो आभूषण निर्माण की कला का प्रमुख केन्द्र है, अनजाने में इन आभूषणों को नया रूप देने का जरिया बन सकता है।

प्रसिद्ध आभूषण और रत्नों को अजीब तरीकों से नया रूप दिया जाता है। उदाहरण के लिए कोहिनूर को देखें, जिसे पहले गोलकोंडा की एक खदान में पाया गया था, फिर विभिन्न रूपों में बदलते हुए पंजाब के राजा महाराजा रणजीत सिंह के पास पहुँच गया।

ब्रिटिश क्राउन प्रिंस अल्बर्ट द्वारा बुरी तरह से अपूरणीय क्षति पहुँचाए जाने तक इसके कई घर बदले। प्रिंस अल्बर्ट द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने से महाराजा रणजीत सिंह के वंशज दलीप सिंह, जो ब्रिटेन में बंदी थे, नाराज़ हो गए, जब उन्हें हीरा स्मृति के रूप में रखने को दिया गया तो उन्होंने गुस्से में यह हीरा ब्रिटिश राज परिवार को ही दे दिया।

दलीप सिंह की नाराज़गी के बाद, कोहिनूर ब्रिटिश शाही परिवार के ताज आभूषणों का हिस्सा बन गया।

छः दिन में चौथी बार ट्रंप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रहेगा।"

इससे पहले, ट्रंप ने वाइट हाउस में अपने बयान में कहा, "मैं भारतीयों को पसंद करता हूँ। हम अपने देशों के बीच कुछ शानदार सौदों पर काम कर रहे हैं। मैंने आज प्रधानमंत्री मोदी से बात की और हमारे रिश्ते बहुत अच्छे हैं। वह रूस से ज्यादा तेल नहीं खरीदेंगे। वह युद्ध को खत्म होते देखना चाहते हैं, जैसा कि मैं भी चाहता हूँ। वह रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को समाप्त होते देखना चाहते हैं।" "वह अब बहुत अधिक तेल नहीं खरीदेंगे। तो उन्होंने बहुत कम कर दिया है, और वे इसे लगातार कम करते जा रहे हैं।

कांग्रेस ने सरकार पर तंज कसते हुए मंगलवार को कहा कि ट्रंप ने पिछले पांच दिनों में तीन बार भारत के रूस से तेल आयात पर सवाल उठाए हैं, और उन्होंने "विदेश मंत्रालय के किसी भी इनकार को नजरअंदाज़ किया" जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने रूस से तेल आयात रोकने का वादा किया था।

विपक्षी पार्टी के इस दावे के बाद ट्रंप ने कहा था कि यदि भारत रूस से तेल खरीदता रहा, तो उसे भारी शुल्क का भुगतान करना पड़ेगा और साथ ही उन्होंने यह भी दोहराया कि प्रधानमंत्री मोदी से उन्हें आश्वासन मिला है कि नई दिल्ली रूस से तेल खरीदारी रोक देगा।

कांग्रेस ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी "मौनी बाबा" बन जाते हैं, जब ट्रंप यह कहते हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को बंद कर दिया या कि भारत रूस से तेल आयात घटाएगा।

भारत ने पहले कहा था कि वह "अपनी ऊर्जा आपूर्ति को विस्तारित और विविधीकृत" कर रहा है ताकि बाजार की स्थितियों के अनुसार इसे बेहतर तरीके से संभाल सके।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल, ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें इस प्रकार की कोई फोन बातचीत का पता नहीं है, और यह कि भारत का तेल आयात भारतीय उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए "अस्थिर" ऊर्जा परिदृश्य में तय किया जाता है।

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री मोदी "ट्रंप से डरते हैं" और लगता है कि उन्होंने अमेरिकी सरकार को महत्वपूर्ण फैसले सौंप दिए हैं।

विपक्षी पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि मोदी सरकार की विदेश नीति "पूरी तरह से विफल" हो चुकी है और केंद्र को विपक्षी नेताओं को विश्वास में लेने के लिए या तो एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए या उनसे व्यक्तिगत रूप से बात करनी चाहिए।

वॉशिंगटन ने यह दावा किया है कि भारत रूस से तेल खरीदकर पुतिन को यूक्रेन युद्ध के लिए वित्तीय मदद दे रहा है।

नई दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच संबंधों में उस समय तनाव बढ़ गया था, जब ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को 50 प्रतिशत तक बढ़ा दिया था, जिसमें रूस से भारतीय तेल आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी शामिल था।

भारत ने अमेरिकी कदम को "अन्यायपूर्ण, अस्वीकृत और निरर्थक" करार दिया।

इस बीच, ट्रंप ने मंगलवार को वाइट हाउस में दीवाली समारोह में भाग लिया और भारतीयों और भारतीय-अमेरिकियों को इस अवसर पर शुभकामनाएं दीं।

प्रारंभिक टिप्पणी में, अमेरिकी राष्ट्रपति ने मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें "महान व्यक्ति" और "महान दोस्त" कहा और व्यापार और क्षेत्रीय शांति में अमेरिका-भारत संबंधों को उजागर किया।

ट्रंप ने कहा, "दीवाली के इस अवसर पर, हम दिया जलाएंगे, जो प्रकाश की अंधकार पर विजय, अज्ञान पर ज्ञान और बुराई पर अच्छाई का प्रतीक है।

उन्होंने आगे कहा कि दिए की लौ हमें "ज्ञान के मार्ग का अनुसरण करने, कठिनाई से काम करने और हमारे कई आशीर्वादों के लिए हमेशा आभार व्यक्त करने की याद दिलाती है।"

इसके बाद ट्रंप ने वाइट हाउस में दीवाली के अवसर पर दीये जलाए।

वाइट हाउस में यह कार्यक्रम ट्रंप प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ, जिसमें एफबीआई निदेशक काश पटेल, ओडीएनआई निदेशक तुलसी गब्बार्ड, व्हाइट हाउस की उप प्रेस सचिव कुश देसाई, अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा और भारत में अमेरिका के राजदूत सर्गियो गोरे शामिल थे।

बिहार में महागठबंधन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नरकटियागंज विधानसभा क्षेत्र से राजद के दीपक कुमार कांग्रेस के शास्वत केदार के सामने चुनावी मैदान में खड़े हैं।

वाम दलों को कुल 33 सीटें दी गई थीं, लेकिन भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) ने कांग्रेस को टक्कर देते हुये चार जगहों पर अपने उम्मीदवार उतार दिये हैं।

करगहर विधानसभा क्षेत्र से सीपीआई के महेंद्र गुप्ता कांग्रेस के संतोष कुमार मिश्रा के खिलाफ, बिहार शरीफ विधानसभा क्षेत्र से सीपीआई के शिव प्रकाश यादव कांग्रेस के ओमैर खान के खिलाफ, राजापाकड़ (सु) विधानसभा क्षेत्र से सीपीआई के मोहित पासवान कांग्रेस की प्रतिमा कुमारी के खिलाफ और बछवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से सीपीआई के अवधेश कुमार राय कांग्रेस के शिव प्रकाश गरीब दास के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

महागठबंधन में मिली 15 सीटों के बावजूद, विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के दो उम्मीदवार सीधे तौर पर राजद के सामने खड़े हो गये हैं। चैनपुर विधानसभा क्षेत्र से वीआईपी के बाल गोविंद राजद के ब्रज किशोर बिंद के खिलाफ और बाबूबरही विधानसभा क्षेत्र से वीआईपी के बिंदु गुलाब राजद के अरुण कुमार सिंह के खिलाफ बतौर प्रत्याशी अपनी दावेदारी कर रहे हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि जिस गठबंधन का उद्देश्य भाजपा के खिलाफ एकजुट विपक्ष खड़ा करना था, वह खुद 'प्रतिस्पर्धी से प्रतिद्वंदी' बन चुका है। बिहार की राजनीति में यह तय हो चुका है कि महागठबंधन के लिये यह चुनाव सिर्फ विरोधियों से नहीं, अपनों से भी है।

महागठबंधन में आधिकारिक रूप से सीट बंटवारे के तहत राजद को 143, कांग्रेस को 61, वामदल को 33, वीआईपी को 15 और इंडियन इंक्लूसिव पार्टी (आईआईपी) को 3 सीट मिली थी।

वाराणसी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रूप से आगमन कक्ष (एराइवल हॉल) में ले जाया गया है। तकनीकी टीम वर्तमान में विमान की जांच और मरम्मत में जुटी है।

संजय अग्रवाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महानिदेशक, पुलिस हाऊसिंग, डॉ. बी.एल.मीणा को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक यातायात राजस्थान, लता मनोज माथुर को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सिविल राइट्स, एंटी हयूमन ट्रैफिकिंग एंड कम्यूनिटी पुलिसिंग जयपुर, प्रफुल्ल कुमार को महानिरीक्षक पुलिस इंटीलेजेंस राजस्थान जयपुर, एच.जी. राघवेन्द्र सुहासा को महानिरीक्षक पुलिस जयपुर रेंज, राहुल प्रकाश को विशेष आयुक्त (ऑपरेशन्स) पुलिस कमिश्नरेट जयपुर, डॉ. रवि को महानिरीक्षक पुलिस आयोजना, आधुनिकीकरण और कल्याण राजस्थान के पद पर लगाया है।

इसी तरह सत्येन्द्र कुमार को महानिरीक्षक पुलिस, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो राजस्थान, डॉ. रामेश्वर सिंह को उप महानिरीक्षक पुलिस ए.सी.बी. ब्यूरो. प्रथम जयपुर, डॉ. राजीव पचार को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था पुलिस कमिश्नरेट जयपुर, प्रहलाद सिंह कृष्णिया को उप महानिरीक्षक पुलिस अपराध शाखा जयपुर, अरशद अली को उप महानिरीक्षक पुलिस कानून एवं व्यवस्था पुलिस कमिश्नरेट जयपुर, ज्ञानचंद्र यादव को पुलिस अधीक्षक द्वितीय ए.टी.एस. जयपुर के पद पर लगाया है।

इसी प्रकार अमित जैन को प्राचार्य राजस्थान पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र जोधपुर, विशाल जांगिड़ को सहायक पुलिस अधीक्षक वृत श्रीगंगानगर, अनुष्ठा कालिया को सहायक पुलिस अधीक्षक बीकानेर सदर के पद पर लगाया है।

महागठबंधन के प्रचार अभियान में तेजी आई

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की तरफ से प्रचार अभियान की तैयारियां तेज हो गयी हैं। कांग्रेस नेतृत्व ने अपने स्टार प्रचारकों कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के जनसभा कार्यक्रम को लेकर अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है।

सूत्रों के अनुसार छठ के बाद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा बिहार में प्रचार शुरू करेंगे और इसे देखते हुए दोनों नेताओं के चुनाव प्रचार कार्यक्रम तय किये जा रहे हैं। महागठबंधन में संयुक्त रैलियों को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है।

कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि गांधी की पहली चुनावी सभा छठ पर्व के बाद आयोजित की जाएगी। वह उत्तर बिहार के किसी बड़े जिले से अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगे। पार्टी की रणनीति के अनुसार गांधी पहले चरण के चुनाव में ऐसे इलाकों में जनसभाएं करेंगे जहां कांग्रेस के उम्मीदवारों की स्थिति मजबूत मानी जा रही है। इसके साथ ही वह मौजूदा कांग्रेस विधायकों के क्षेत्र में प्रचार करने भी उतरेंगे ।

उत्तर बिहार के मुजफ्फरपुर, वैशाली, दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी, पूर्वी चंपारण और पश्चिमी चंपारण जिलों से गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा की

- **छठ पर्व के बाद बिहार में राहुल-प्रियंका का प्रचार शुरु होगा**
- **राहुल गांधी पहले उन क्षेत्रों में प्रचार करेंगे जहां कांग्रेस की स्थिति मजबूत है।**
- **महागठबंधन की तरफ से संयुक्त रैलियां भी की जाएंगी।**

रैलियों और रोड शो से प्रचार अभियान में रफ्तार आएगी और जनता तक पार्टी का संदेश बेहतर तरीके से पहुँचेगा।

चुनाव प्रचार के लिये प्रियंका गांधी वाड्रा की रैली और रोड शो तय किया जा रहा है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि वह महिलाओं और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर जनसभाओं को संबोधित करेंगी। वह बिहार में महिलाओं से जुड़े मुद्दों, महिला सशक्तिकरण, मानदेय, महिला सुरक्षा, स्वास्थ्य बीमा समेत कई मुद्दों को उठा सकती हैं।

गत दो दशकों से बिहार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जदयू जहाँ अपने परंपरागत आधार को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है, भाजपा उसी जमीन पर अपने कदम जमा रही है। भाजपा की पिछली रणनीतियाँ देखकर बहुत लोग मानते हैं कि वह धीरे-धीरे अपने सहयोगियों का वोटबैंक समेट लेती है और अंतत: उन्हें अपने भीतर मिला लेती है, वैसा ही अब जदयू के साथ भी हो सकता है।

2025 के एनडीए सीट बंटवारे में भाजपा और जदयू, दोनों को 243 में से 101-101 सीटें मिली हैं। लेकिन इतनी हिस्सेदारी के साथ जिम्मेदारी भी बड़ी आई है।

भाजपा की सबसे प्रमुख चाल सम्राट चौधरी को लेकर है, जो कुशवाहा समुदाय से आते हैं। पार्टी उन्हें संभावित मुख्यमंत्री चेहरे के रूप में पेश कर रही है, जिससे एन.डी.ए. के भीतर इस समुदाय की उम्मीदें जिंदा रहें।

यह क्यों अहम है? क्योंकि बिहार में कुशवाहा समुदाय 4.21 प्रतिशत और कुर्मी समुदाय 2.87 प्रतिशत है। नीतीश कुमार खुद कुर्मी हैं, लेकिन 1994 की "कुर्मी एकता रैली" के बाद से ही कुर्मी-कुशवाहा, यानी "लव-कुश" गठजोड़ नीतीश के पीछे लामबंद होते रहे हैं। जहाँ कुमार ने लालू यादव द्वारा ओबीसी पदानुक्रम में यादवों को शीर्ष पर रखने की प्राथमिकता पर अपना असंतोष व्यक्त किया था।

हालांकि नीतीश कुमार स्वयं कुर्मी समुदाय के हैं, फिर भी यह मौन सहमति बनी थी कि उनके कुशवाहा समुदाय से किसी नेता को प्राथमिकता दी जाएगी। इसलिए कुशवाहा वोट अब उस नेता के लिए अहम है जो नीतीश की राजनीतिक विरासत संभालना चाहता है।

भाजपा ने सम्राट चौधरी को तारापुर से, जो उनके पिता की पुरानी सीट है, टिकट देकर यह संकेत दिया है कि वह इस वोटबैंक को अपने साथ लाना चाहती है। भले ही चौधरी का प्रशासनिक अनुभव नीतीश जितना न हो, लेकिन भीजपा उन्हें पूरा समर्थन देकर कुशवाहा मतदाताओं को साध सकती है, खासतौर पर प्रशांत किशोर के बढ़ते प्रभाव के बीच।

लेकिन दिक्कत यह है कि प्रशांत किशोर ने लगातार प्रेस कॉन्फ्रेंसों के ज़रिए चौधरी की छवि को नुकसान पहुंचाया है। साथ ही भाजपा का पारंपरिक कार्यकर्ता वर्ग बाहरी नेताओं को पसंद नहीं करता, और उसे आज भी याद है कि चौधरी के पिता ने एक बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जान से मारने की धमकी दी थी।

इससे "प्लान बी" की गुंजाइश बनती है। उपेंद्र कुशवाहा, राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के अध्यक्ष भी कुशवाहा समुदाय से हैं और उनकी छवि नीतीश जैसी है, ईमानदार, शिक्षित, संगठन पर केंद्रित और बिहार-हितैषी।

वे अपने लचीले लेकिन सिद्धांतनिष्ठ रुख के लिए जाने जाते हैं और कठिन दौर में भी संयम दिखाने के कारण भाजपा नेतृत्व का भरोसा जीत चुके हैं। इस भरोसे से यह संभावना बनती है कि वे अपनी पार्टी को भाजपा में मिला दें और समुदाय का चेहरा बन जाएं।

हालांकि यह एक दूरदर्शी अनुमान है, लेकिन दो बातें इसे मजबूत करती हैं, पहली, सम्राट चौधरी पर किशोर के हमले; दूसरी, भाजपा का इतिहास, जो बताता है कि वह अंतिम क्षणों में चौंकाने वाले निर्णय लेती है और अक्सर ऐसे उम्मीदवारों को चुनती है जो विशेषज्ञों की शॉर्टलिस्ट में भी नहीं होते। भाजपा की दूसरी बड़ी चुनौती, "अतिपिछड़ा वर्ग (ई.बी.सी.)" के 36 प्रतिशत मतदाताओं को अपने साथ बनाए रखना है। नीतीश और मोदी की कल्याण योजनाओं ने इन वर्गों में अच्छी छाप छोड़ी है, लेकिन राज्य इकाई ने ई.बी.सी. मतदाताओं के बीच अपनी पैठ बनाने के लिए बहुत कम प्रयास किए हैं।

नीतीश कुमार के अलावा प्रधानमंत्री मोदी एक लोकप्रिय नाम बने हुए हैं, लेकिन दोनों नेताओं की कल्याणकारी योजनाएं अपनी राजनीतिक उपयोगिता समाप्त होने के कगार पर है। इससे भाजपा के लिए यह चुनौती और कठिन हो जाती है।

एक नए चेहरे को पेश करने के साथ -साथ भाजपा को यह बताना होगा कि केंद्र सरकार की योजनाएं कैसे खास समुदायों के लिए फायदेमंद हैं। जैसे जब किसी योजना का फायदा सैनिकों को मिलता है तो उसे जाट समुदाय के हित में बताया जाता है, उसी तरह योजनाओं को ईबीसी समुदाय के लिए प्रचारित किया जा सकता है।

ईबीसी चेहरे के रूप में भाजपा के पास फिलहाल हरी सहनी हैं, जिनका प्रदर्शन ठीक रहा है, पर उनका प्रभाव सीमित है। इसलिए पार्टी संभवत: मुकेश सहनी की पार्टी को अपने में मिलाने की कोशिश कर सकती है। मुकेश खुद को "मल्लाहों का बेटा" नहीं, बल्कि "ईबीसी का बेटा" कहकर व्यापक पहचान बनाने की कोशिश में हैं और उपमुख्यमंत्री पद की आकांक्षा भी रखते हैं।

जदयू के भीतर भी कई नेता, जैसे पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा (जो कभी अरुण जेटली के करीबी रहे हैं), "भाजपा का आदमी" कहे जाते हैं। इससे यह धारणा मजबूत हो रही है कि भाजपा जल्द ही जदयू को पूरी तरह पीछे छोड सकती है।

जदयू दोहरे संकट से गुजर रही है, एक तरफ उसका पारंपरिक वोट बैंक कमजोर हो रहा है, दूसरी तरफ नेतृत्व का अभाव पार्टी को तोड़ सकता है।

जातिगत गणित के अलावा जद (यू) को एक आसन्न नेतृत्व संकट का भी सामना करना पड़ रहा है। हालांकि पार्टी पिछड़े वर्गों की प्रतिनिधि होने का दावा करती है, लेकिन फैसलों में ऊपरी जातियों के नेताओं, ललन सिंह, संजय झा, सम्राट चौधरी और विजय चौधरी, का दबदबा बढ़ गया है। जदयू का मूल कार्यकर्ता वर्ग इस ऊपरी जाति वर्चस्व से नाराज़ है। खासकर इसलिए क्योंकि, इन चार नेताओं में से तीन उच्च जाति पृष्ठभूमि से आते हैं, जबकि जद (यू) का अस्तित्व पिछड़े वर्गों को सशक्त बनाने के कारण है।

भीतरी कलह के चलते कई शिक्षित और सक्षम नेताओं को हाल के वर्षों में बाहर का रास्ता दिखाया गया है। नीतीश अब तक पार्टी को जोड़े रखने में सफल रहे हैं, लेकिन उन्होंने किसी उत्तराधिकारी को तैयार नहीं किया, और यही कमी अब उनके जाने के बाद सबसे बड़ा संकट बनेगी।

2025 का बिहार विधानसभा चुनाव हाल के चुनावों में सबसे अप्रत्याशित चुनाव बनने जा रहा है। नीतीश के धीरे-धीरे पीछे हटने से राजनीति का स्थिर केंद्र खत्म हो रहा है और अब हर खिलाड़ी अपने दांव-पेच आजमा रहा है।

भाजपा विस्तार और कब्जे की दौड़ में है। जदयू अस्तित्व और पुनर्निर्माण की लड़ाई में है और छोटी पार्टियां इस उथल-पुथल में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में हैं।

जो भी इस दौड में जीतेगा, वह न सिर्फ सत्ता संभालेगा बल्कि भारत के सबसे जटिल और खंडित राजनीतिक परिदृश्य में गठबंधन राजनीति का नया नमूना भी पेश करेगा। और इस बार, पिछले चुनावों के विपरीत, न उम्मीदवारों को न विश्लेषकों को, किसी को नहीं पता कि फिनिश लाइन सबसे पहले कौन पार करेगा।

जैश का महिलाओं के लिए ऑनलाइन जिहादी कोर्स

नयी दिल्ली 22 ,अक्टूबर। आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने महिलाओं की भर्ती के लिए ऑनलाइन जिहादी कोर्स तुफात अल-मुमिनात शुरू किया है जिसका नेतृत्व आतंकवादी

- **आतंकवादी मसूद अजहर की बहनें और उमर फारुक की पत्नी कोर्स का नेतृत्व करेंगी।**

मसूद अजहर की बहनें और उमर फारूक की पत्नी करेंगी। जैश ने इस कोर्स के प्रत्येक प्रतिभागी के लिए 500 रुपये का चंदा निर्धारित किया है। कुछ समय पहले ऐसी रिपोर्ट सामने आई थी कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा आंतकवादी संगठन घोषित और पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित जैश-ए-मोहम्मद एक महिला ब्रिगेड तैयार कर रहा है और इसे जमात उल-मुमिनात नाम दिया है। अब मीडिया में सामने आए नये दस्तावेज़ों और विवरण से पता चला है कि आतंकी समूह ने धन इकट्ठा करने और अपनी महिला ब्रिगेड में अधिक से अधिक महिलाओं की भर्ती करने के लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू कर रहा है।

वन क्षेत्र में भारत विश्व में 9 वें स्थान पर

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर। भारत ने वैश्विक पर्यावरण संरक्षण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है और कुल वन क्षेत्र के मामले में देश विश्व स्तर पर 9वें स्थान पर पहुंच गया है।

इंडोनेशिया के बाली में खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के जारी वैश्विक वन संसाधन आकलन (जीएफआरए), 2025 के अनुसार भारत ने वन क्षेत्र के मामले में यह अहम मुकाम हासिल किया है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में इस प्रगति का ब्योरा साझा किया। यादव ने कहा, " यह सभी भारतीयों के लिए खुशी का एक कारण है।"

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908